



राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कैप्टन ने सुनाई आपबीती: वो नमाज के लिए उठा, फिर मेरे सिर पर मारा

एजेंसी, दुबई

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 में 34,000 फीट की ऊंचाई पर 174 यात्रियों की ज़िंदगी बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार ने उस भयावह पल की पूरी आपबीती सुनाई है। दुबई के अस्पताल में इलाज करा रहे कैप्टन स्मित से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर लंबी बातचीत की और उनके अदम्य साहस को नमन करते हुए उन्हें इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर सर्वोच्च नागरिक सम्मान (टॉर्च लाइटिंग समारोह) के लिए आमंत्रित किया है। बातचीत के दौरान कैप्टन मच्छार ने बताया कि कैसे ओमानी को-पायलट ने नमाज पढ़ने का बहाना बनाकर उनके सिर के पीछे से जानलेवा वार किया था, जिससे कॉकपिट में खूनी जंग छिड़ गई थी। अस्पताल के बेड से प्रधानमंत्री नेतन्याहू को कॉकपिट के भीतर का मंजर बताते हुए कैप्टन स्मित मच्छार ने कहा, सब कुछ बहुत सामान्य चल



रहा था। तभी को-पायलट ने कहा कि वह नमाज पढ़ना चाहता है, जो स्थानीय पायलट अक्सर करते हैं। उनके धार्मिक सम्मान के लिए मैंने अपना मुंह आगे की तरफ ही रखा और पीछे नहीं देखा। लेकिन करीब 4-5 मिनट बाद ही अचानक मेरे सिर के पीछे बहुत तेज धमाका जैसा हमला हुआ। कैप्टन ने बताया कि शुरूआती हमले के बाद उन्हें लगा कि शायद विमान किसी तकनीकी खराबी या बड़े हादसे का शिकार हो गया है। लेकिन जब एक के बाद एक

लगातार वार होने लगे और उनकी आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा, तब उन्हें अहसास हुआ कि हादसा विमान में नहीं हुआ है, बल्कि उनके साथ कॉकपिट में बैठा दूसरा व्यक्ति ही उन पर हमला कर रहा है। कॉकपिट में मची खूनी जंग के दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा और केबिन से यात्रियों की चीख-पुकार आने लगी। लहलुहान कैप्टन स्मित ने बताया, कॉकपिट का दरवाजा बाहर से कोड डालकर ही खुल सकता था। बाहर मौजूद मेरे सहयोगी कोड डाल रहे थे,

कैप्टन स्मित मच्छार को लेकर गांधी परिवार की चुप्पी पर भाजपा ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की कथित चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा सांसद सुभांशु त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि कैप्टन स्मित ने विमान में अदम्य साहस का परिचय देकर कई लोगों की जान बचाई, लेकिन गांधी परिवार की ओर से उनके लिए अब तक एक भी शब्द, पोस्ट या प्रेस वक्तव्य सामने नहीं आया है। सुभांशु त्रिवेदी ने यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैप्टन स्मित से बात कर चुके हैं और इजरायल तथा अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों ने भी उनकी बहादुरी की सराहना की है। ऐसे में गांधी परिवार की चुप्पी सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि आखिर कैप्टन स्मित के साहस पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। उन्होंने कहा कि मीडिया में आरोपी पायलट इमाम अल हमामी को लेकर अल-कायदा की ओर से कथित समर्थन की खबरें भी सामने आई हैं। इसके बावजूद सोनिया, प्रियंका और राहुल ने कैप्टन स्मित के साहस को लेकर कोई बयान नहीं दिया।

लेकिन हमलावर को-पायलट कोड का रिसॉन्स ब्लॉक कर दे रहा था। दरवाजे को खोलने का केवल एक ही तरीका था- अंदर से उसके ट्रिस्टर नॉब को हाथ से घुमाना। उन्होंने बताया कि उस वक्त उनके भीतर एक आखिरी जंग बाकी थी। उन्होंने सोचा कि अगर अब कुछ नहीं किया, तो वे और बाकी सब मारे जाएंगे। उन्होंने अपनी पूरी ताकत झोंक दी, फर्श पर गिरे होने के बावजूद हाथ बढ़ाकर दरवाजे के नॉब तक पहुंचे और उसे मोड़कर खोल दिया। भगवान का

शुरू है कि बाहर लोग तैयार खड़े थे, जिन्होंने तुरंत अंदर घुसकर स्थिति को संभाला और हमलावर को काबू किया। कैप्टन स्मित मच्छार के इस अदम्य साहस और 174 मासूमों की जान बचाने से गदगद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें इजरायल का सर्वोच्च सम्मान देने की घोषणा की है। नेतन्याहू ने कहा, आप इजरायल, भारत और पूरी दुनिया के लिए एक असली हीरो हैं। मैं आपको और मेरे महान मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस

समारोह में टॉच प्रज्वलित करने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि यह सम्मान आमतौर पर केवल इजरायली नागरिकों को दिया जाता है, लेकिन आज पूरा इजरायल कैप्टन स्मित के सामने नतमस्तक है। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूतावास ने आधिकारिक अपडेट जारी कर बताया है कि कैप्टन स्मित मच्छार की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है और वे खतरे से पूरी तरह बाहर हैं, जो सभी के लिए राहत की खबर है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला युवक गुवाहाटी से गिरफ्तार

एजेंसी, गुवाहाटी

तेजपुर के सेना की गजराज मिलेट्री इंटेलिजेंस (एमआई) से मिली शुरुआती जानकारी के आधार पर, असम के आईजीपी (एसटीएफ) ने शोणितपुर के एसएसपी के साथ मिलकर उस खुफिया जानकारी पर काम किया और उसे और विकसित किया। यह जानकारी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के निदेशों पर कथित तौर पर की जा रही संदिग्ध राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के बारे में थी।



इस खुफिया जानकारी के आधार पर, 3 और 4 अक्टूबर की रात को असम एसटीएफ ने एक अभियान चलाया और अभिषेक कुमार सिंह

(31) को गुवाहाटी के सातगांव पुलिस स्टेशन के तहत गांधीनगर में एक किराए के घर से गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी

चंपारण का रहने वाला है। अभियान के दौरान, उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए। शुरुआती जांच से जासूसी से जुड़ी गतिविधियों में उसकी कथित सक्रियता का पता चला है, जिसमें सुरक्षा बलों से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) तक पहुंचाना शामिल है। इसके अनुसार, अभिषेक कुमार सिंह को एसटीएफ पीएस केस नंबर 09/2026 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार और नफरत के बजाय संवाद का मार्ग : उपराष्ट्रपति

एजेंसी, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा के महापर्व क्षमापना समारोह में कहा कि क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार, नफरत के बजाय संवाद और शत्रुता के बजाय मेल-मिलाप का मार्ग चुनना है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा का अभाव नहीं बल्कि विचार, वाणी और कर्म में हिंसा से दूर रहना भी है। वास्तव में विकसित भारत में नागरिकों के बीच विश्वास, परिवारों में संस्कार, युवाओं में चरित्र और समाज में करुणा होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति रविवार को यहां विज्ञान भवन में भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा द्वारा आयोजित महापर्व क्षमापना समारोह-2026 में शामिल हुए। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भगवान महावीर स्मृति समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल जैन, जैन महासभा दिल्ली के अध्यक्ष दिनेश दोशी, आचार्य विशुद्ध सागरजी मुनिराज, श्री जैन तरुण समाज भगवान महावीर स्मृति समिति के महासचिव विजय जैन, मुनिश्री उदित कुमार जी, मुनिश्री तीर्थ निर्वाण विजय जी और उपाध्याय रविंद्र मुनि जी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्षमापना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मनुष्य के हृदय में परिवर्तन का अवसर है। जैन परंपरा ने क्षमा को जिस गहराई से आध्यात्मिक साधना में



बदला है, वह आज भारत और पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। जैन धर्म ने तमिल साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जैन विद्वानों और साधुओं ने शास्त्रीय तमिल साहित्य के विकास में योगदान दिया। तमिलनाडु में प्राचीन जैन मंदिरों और शिक्षा केंद्रों की मौजूदगी भी इस संबंध को दर्शाती है। उन्होंने जैन दर्शन के सार्वभौमिक संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी जीवों के प्रति मैत्री और किसी के प्रति शत्रुता नहीं रखने की भावना भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के सभ्यतागत विचार से जुड़ी है। संघर्ष और हिंसा से जूझ रही दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और करुणा का मार्ग दिखाती हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान महावीर ने मानवता को आंतरिक विजय का मार्ग दिखाया। वास्तविक शक्ति क्रोध, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर विजय पाने में है। अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। विचार, वाणी और कर्म में हिंसा से मुक्त होना भी अहिंसा का हिस्सा है।

पेंशन अदालत में 897 लंबित शिकायतों का होगा निपटारा, अति वरिष्ठ और पारिवारिक पेंशनरों के मामलों पर रहेगा जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार की 17वीं पेंशन अदालत में अति वरिष्ठ पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों की 897 लंबित शिकायतों का निपटारा किया जाएगा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह 05 अक्टूबर को यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित पेंशन अदालत की अध्यक्षता करेंगे। यह पेंशन अदालत 24 मंत्रालयों और विभागों से जुड़ी शिकायतों के निपटारे के लिए आयोजित की जा रही है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के पेंशन और विभागों को सौंपे गए शिकायतों के अनुसार, पेंशन अदालत केंद्रीय सरकारी पेंशनरों की शिकायतों के

मौके पर निपटारे के लिए शुरू की गई वैकल्पिक व्यवस्था है। इसमें किसी शिकायत से जुड़े सभी पक्षों को एक मंच पर लाकर लंबे समय से लंबित मामलों का समाधान किया जाता है। इससे महंगी और समय लेने वाली न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता कम होती है। विभाग ने 2017 में पेंशन अदालत की शुरुआत की थी। अब तक इसके 16 आयोजन हो चुके हैं। इनमें कुल 28,797 शिकायतों में से 20,676 का मौके पर निपटारा किया गया। इसकी सफलता दर 71.79 प्रतिशत रही है। शेष मामलों का भी संबंधित पेंशन अदालतों के बाद निपटारा किया जाएगा। इस अभियान के तहत सीएक्मूएम में 25 सड़क पट्टियों के करीब 35 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। केंद्रीय पर्यावरण, वन

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र महासभा खत्म होने के बाद न्यूयॉर्क में रुके ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया। दोनों संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे और महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका छोड़ दें। एक्सओस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक्सओस की रिपोर्ट के अनुसार, महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य (राजनयिक) न्यूयॉर्क में ही रुके रहे।



अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में ईरानी मिशन सूचित किया। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया। यह दोनों देशों के

दिल्ली: रिंग रोड पर सीएक्मूएम के निरीक्षण में धूल और निर्माण कचरे के 17 उल्लंघन मिले

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्मूएम) के रिंग रोड पर चलाए विशेष निरीक्षण अभियान में सड़क पर अधिक मात्रा में धूल और निर्माण एवं विध्वंस कचरा जमा होने के 17 उल्लंघन पाए गए। इस अभियान के तहत सीएक्मूएम ने 25 सड़क पट्टियों के करीब 35 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। केंद्रीय पर्यावरण, वन

और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, सीएक्मूएम ने 3 अक्टूबर को यह विशेष अभियान चलाया। आयोग की ओर से गठित चार उड़न दस्तों ने दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों का निरीक्षण किया। अभियान का उद्देश्य रिंग रोड पर सड़क की धूल की स्थिति और सफाई तथा झाड़ू लगाने के कार्य की प्रभावशीलता को

आकलन करना था। आयोग ने कहा कि निरीक्षण में सामने आए मामलों से संबंधित सड़क एजेंसियों की ओर से सड़क की सफाई, झाड़ू लगाने और धूल नियंत्रण के निर्धारित उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत सामने आई है। सीएक्मूएम के अनुसार सड़क की धूल को नियंत्रित करने और वाहनों की अवांजाही से इसके दोबारा हवा में फैलने से

रोकने के लिए नियमित और प्रभावी सफाई जरूरी है। सड़क किनारे और मुख्य सड़क पर जमा निर्माण एवं विध्वंस कचरा तथा धूल वाहनों की अवांजाही से दोबारा हवा में फैल सकती है और इससे वायु गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आयोग ने दिल्ली पीडब्ल्यूडी और अन्य संबंधित एजेंसियों को सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। संबंधित एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों को नियमित सफाई, जमा धूल और निर्माण एवं विध्वंस कचरे को हटाकर साफ और धूल मुक्त रखने पर जोर दिया गया है।

भाजपा ने दिनेश आर्य को उत्तराखंड से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया

एजेंसी, नैनीताल । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड से राज्यसभा की एक सीट के लिए नैनीताल के वरिष्ठ नेता दिनेश आर्य को उम्मीदवार घोषित किया है। करीब चार दशक से भाजपा संगठन में सक्रिय आर्य ने अपने राजनीतिक समर की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से की थी। जिला स्तर से संगठन की राजनीति में आगे बढ़ते हुए वह प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उत्तराखंड सरकार में भी उन्हें राज्य मंत्री स्तर का दायित्व मिला मिल चुका है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने रविवार को राज्यसभा द्विवाषिक चुनाव के लिए उत्तराखंड से दिनेश आर्य के नाम की घोषणा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आर्य को प्रत्याशी बनाए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने अनुभवी और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में आर्य का चयन किया है। नैनीताल से जुड़े दिनेश आर्य ने वर्ष 1985 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता के रूप में संगठनात्मक जीवन की शुरुआत की। एक वर्ष बाद 1986 में उन्हें एबीवीपी का नैनीताल जिला संयोजक बनाया गया। वर्ष 1988 तक विद्यार्थी परिषद में जिम्मेदारी निभाने के बाद वह भाजपा संगठन में सक्रिय हो गए।

आरबीआई क्रिप्टोकರೆसी को लेकर सतर्क, नई तकनीकों के इस्तेमाल को दे रहा बढ़ावा



गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- नए तरह के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि भारत क्रिप्टोकರೆसी को लेकर सतर्क रह ख अपनना रहा है, लेकिन इससे जुड़ी नई तकनीकों और उनके संभावित इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रणाली की मौजूदा मजबूती को भविष्य के जोखिमों से सुरक्षा की गारंटी नहीं माना जा सकता और नए तरह के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सम्मेलन में गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि भारत क्रिप्टो परिसंपत्तियों से जुड़ी डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी और टोकन व्यवस्था, जैसी तकनीकों में नवाचार का समर्थन करता है। आरबीआई इन तकनीकों का इस्तेमाल केंद्रीय बैंक के अंदर और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के जरिए से भी कर रहा है। हालांकि, मौद्रिक संरभुता, मौद्रिक नीति और पूंजी प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण क्रिप्टोकರೆसी के प्रति सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में मुद्रा की एकरूपता और मॉद्रिक नीति पर संभावित प्रभाव शामिल हैं। खासकर उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह अहम है, जहां पूंजी प्रवाह पर कुछ प्रतिबंध लागू हैं। मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू भुगतान के क्षेत्र

में भारत ने काफी प्रगति की है और अब ज्यादा अहम चुनौती सीमा-पार भुगतान की है। इसके लिए केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा समेत दूसरे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि अगला वित्तीय संकट जरूरी नहीं कि किसी बैंक या वित्तीय क्षेत्र के भीतर से शुरू हो। वैश्विक घटनाएं, साइबर हमले या तकनीकी विफलताएं भी वित्तीय प्रणाली में जोखिम पैदा कर सकती हैं और इनके प्रभाव कई माध्यमों से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने वित्तीय नेटवर्क की परस्पर निर्भरता और संकट के फैलने के रास्तों को बेहतर ढंग से समझने के लिए ज्यादा विस्तृत आंकड़ों और मजबूत निगरानी व्यवस्था की जरूरत बताई। मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय मजबूती पूरे तंत्र में होनी चाहिए। इसके लिए बैंकों के साथ एनबीएफसी, वित्तीय टेक्नोलॉजी, भुगतान प्रणालियां, प्रौद्योगिकी दांचा प्रदाताओं, महत्वपूर्ण तीसरे पक्षों और सीमा-पार वित्तीय नेटवर्कों की भी निगरानी और मजबूती जरूरी है। उन्होंने वैश्विक सार्वजनिक ऋण और बॉण्ड पर बढ़ती प्रतिफल दरों का भी उल्लेख किया। सीमित उपलब्ध धन के बीच बढ़ता खर्च बॉण्ड प्रतिफल और ऋण की स्थिति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति का मुख्य ध्यान घरेलू आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति पर रहता है, हालांकि वैश्विक ब्याज दरों का भारत की वास्तविक ब्याज दरों समेत अन्य आर्थिक परिस्थितियों पर भी असर पड़ता है।

सात जिलों की पुलिसिंग की आईजी ने की समीक्षा, अपराधियों पर कार्रवाई तेज करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद : शनिवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने सात जिलों की पुलिसिंग की समीक्षा की। जिला पुलिस मुख्यालय में हुई बैठक में अपराध नियंत्रण, नक्सल गतिविधियों, संगठित अपराध, साइबर क्राइम और लंबित कांडों के निष्पादन की स्थिति पर चर्चा हुई। आगामी दुर्गापूजा को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

आईजी ने जिलों में अपराध की मौजूदा स्थिति और पुलिस की कार्रवाई की जानकारी लेते हुए सक्रिय और फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया। नक्सल गतिविधियों



और संगठित आपराधिक गिरोहों पर लगातार निगरानी रखने के साथ अपराध निरोधक अभियानों की नियमित समीक्षा करने को कहा। साइबर अपराध, एससी-एसटी एक्ट, पाँक्सो, महिला अपराध और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े लंबित

मामलों की प्रगति की भी समीक्षा हुई। आईजी ने अनुसंधान में तेजी लाने, गंभीर मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने थाना स्तर पर लंबित कांडों की नियमित समीक्षा, थानों के

निरीक्षण और फरार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लंबित कुकी वारंटों का जल्द निष्पादन करने को भी कहा।

दुर्गापूजा के दौरान पूजा पंडालों और संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था के लिए समय रहते तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया गया। आईजी ने कहा कि त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो और पूजा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए पुलिस की मौजूदगी और निगरानी प्रभावी रखी जाए।

बैठक में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के पेंशन प्रकरण, अनुकंपा नियुक्ति और विभागीय कार्रवाई से जुड़े लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। आईजी ने संबंधित अधिकारियों को इनका

प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने का निर्देश दिया।

बैठक में हजारीबाग डीआईजी अंजनी कुमार झा, धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार, रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत, बोकारो एसपी नाथू सिंह मीणा, कोडरमा एसपी कुमार शिवाशीष, गिरिडीह एसपी डॉ. विमल कुमार और चतरा एसपी अनिमेष नथानी समेत कई अधिकारी मौजूद थे। धनबाद सिटी एसपी ऋत्विक् श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा और बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद भी बैठक में शामिल हुए। आईजी ने अंत में आपसी समन्वय के साथ पुलिसिंग को प्रभावी बनाने और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।



कुछ आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं, जबकि कुछ अभी लंबित हैं। किडनी ट्रांसप्लांट और घटना प्रत्यारोपण के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता स्वीकृत की गई है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए 2 लाख, ब्रेन हेमरेज के लिए 2 लाख और ओपन हार्ट सर्जरी के लिए 1.50 लाख रुपये दिए गए हैं। कैंसर के इलाज के लिए 50 हजार रुपये, हार्ट वाल्व सर्जरी के लिए 60 हजार और हृदय रोग के उपचार के लिए 15 हजार से 70 हजार रुपये तक की सहायता निर्धारित की गई है।

इसके अलावा किडनी की पथरी के ऑपरेशन के लिए 10 हजार से 70 हजार रुपये, मोतियाबिंद के ऑपरेशन

के लिए 15 हजार से 30 हजार रुपये, बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए 20 हजार से एक लाख रुपये और स्पाइन सर्जरी के लिए 50 हजार रुपये की सहायता दी गई है। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए 25 हजार से 2 लाख रुपये तक स्वीकृत किए गए हैं। लिफ्ट की बीमारी, हर्निया, ट्यूमर, मस्कुलर डिस्ट्रोफी और मिर्गी के इलाज के लिए भी सहायता दी गई है।

पुलिस मुख्यालय ने सभी संबंधित इकाइयों को स्वीकृत राशि की सूची पुलिसकर्मियों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। स्थानांतरित कर्मियों के मामले में उनके वर्तमान पदस्थापन वाले जिला या इकाई को सूचना देने को कहा गया है। एक ही कर्मचारी या अधिकारी के लिए अलग-अलग स्थानों से सहायता स्वीकृत होने की स्थिति में नियमानुसार न्यूनतम स्वीकृत राशि के भुगतान की व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया गया है।

इस पहल से गंभीर बीमारी और इलाज के भारी खर्च से जूझ रहे पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

झारखंड पुलिस के 600 मामलों में 2.20 करोड़ की सहायता स्वीकृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को बीमारी, इलाज और अन्य जरूरतों के समय मिलेगा आर्थिक संबल

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों और उनके आश्रितों की चिकित्सा व अन्य जरूरतों के लिए सहायता एवं कल्याण कोष से 600 मामलों में कुल 2 करोड़ 20 लाख 45 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस मद में 10 हजार से लेकर अधिकतम 3 लाख रुपये तक की सहायता दी गई है। इसमें गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन और दुर्घटना में घायल पुलिसकर्मियों के इलाज से जुड़े मामले शामिल हैं।

पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार, सहायता राशि पुलिसकर्मियों के साथ उनके माता-पिता, पत्नी, बच्चों और अन्य आश्रितों के इलाज के लिए भी स्वीकृत की गई है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी, ब्रेन ट्यूमर और गंभीर ऑपरेशन जैसे मामलों में अलग-अलग राशि निर्धारित की गई है।

रांची में पुलिस मुठभेड़, कोढ़ा गैंग का सरगना रंगीला घायल; तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : राजधानी में चैन छिनतई की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने रविवार को ओरमांडी थाना क्षेत्र के चुट्टू गांव के पास कोढ़ा गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरोह का सरगना रंगीला पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस ने उसके दो अन्य साथियों को भी पकड़ लिया है।

सिटी एसपी पारस राणा के अनुसार, राजधानी में लगातार हो रही चैन छिनतई की घटनाओं की

जांच के दौरान पुलिस को गिरोह के बारे में सुराग मिले थे। इसके बाद विशेष टीम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। रविवार को सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य रिंग रोड के पास चुट्टू इलाके में किसी वारदात की तैयारी में हैं। इसके बाद पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की।

पुलिस के मुताबिक, टीम को देखकर आरोपी भागने लगे। इसी दौरान रंगीला ने एक पुलिसकर्मी की सर्विस पिस्टल छीन ली और भागने लगा। पीछा किए जाने पर उसने पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने

उसे पकड़ लिया। इस दौरान भागने की कोशिश कर रहे उसके दो साथियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस को अंशका है कि गिरफ्तार आरोपी लालपुर, बरियातू और डोरंडा समेत शहर के कई इलाकों में हुई चैन छिनतई की घटनाओं में शामिल रहे हैं। आरोपियों की निशानदेही पर 10 से अधिक सोने की चैन, हथियार और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस अवर गिरोह के नेटवर्क, छिनतई के सामान को खपाने वाले लोगों और अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

जामताड़ा शहर में बीट पुलिसिंग शुरू, तीन क्षेत्रों में बंटी जिम्मेदारी



जामताड़ा : शहर में अपराध नियंत्रण और आम लोगों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए पुलिस ने बीट पुलिसिंग व्यवस्था शुरू की है। रविवार को जामताड़ा थाना परिसर में उपयुक्त आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से इसका शुभारंभ किया। इस व्यवस्था के तहत शहर को तीन बीटों में बांटकर पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। इसका उद्देश्य पुलिस की सक्रियता बढ़ाने, त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने और जनता के साथ सीधा संवाद कायम करना है।

एसपी शंभु कुमार सिंह ने बताया कि सभी बीट टीमों की निगरानी पुलिस अधीक्षक कार्यालय से की जाएगी। प्रत्येक बीट अधिकारी का सीयूजी मोबाइल नंबर स्थायी रहेगा। अधिकारी के तबादले के बाद भी संबंधित बीट का नंबर नहीं बदलेगा। बीट का नाम, क्षेत्र और अधिकारियों के मोबाइल नंबर वाले बैनर प्रमुख चौक-चौराहों, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएंगे, ताकि लोग सीधे पुलिस से संपर्क कर सकें। बीट पुलिसिंग के तहत महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों और संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों के आसपास गस्त बढ़ाई जाएगी। वहीं, बैंक, एटीएम, सर्राफा बाजार और अधिक नकदी का लेनदेन करने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी पुलिस की निगरानी रहेगी। उपयुक्त आलोक कुमार ने कहा कि इस पहल से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा शहर की शांति और सुरक्षा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

पहले चरण में बीट नंबर एक कायस्थापाड़ा की जिम्मेदारी एसआई सुनील कुमार सिंह को सौंपी गई है। एसएसआई धर्मेन्द्र राजक सहायक बीट प्रभारी होंगे। इस क्षेत्र में टावर चौक, कायस्थापाड़ा, बाजार रोड, पुराना हटिया, हीरासरा, महलडंगाल, मालपाड़ा, रावड़ी, रक्षा काली मंदिर, जीतू डंगाल, कंबाइन बिल्डिंग, न्यू पांडेडी, पांडेडी, रेलवे स्टेशन, इंदिरा चौक, साईडिंग मोड़, दुमका रोड, सिमलबेरीया, धानरा, डीसी और एसपी आवास तथा समावर्णालय परिसर शामिल हैं।

बीट नंबर दो न्यू टाउन का प्रभारी एसआई अभय कुमार और सहायक प्रभारी एसएसआई भूषण पंडित को बनाया गया है। इसके दायरे में न्यू टाउन, सिनेमा हॉल, गांधी मैदान, आम बगान, सिद्धू-कान्हा चौक, सुभाष चौक, सरखेलडी और पाकडी क्षेत्र हैं।

बीट नंबर तीन पालबगान की जिम्मेदारी एसआई लाल बाबू को दी गई है। एसएसआई प्रदीप कुमार सिंह सहायक प्रभारी होंगे। इस बीट में नूर मोहल्ला, सुभाष चौक, फूल के आगे का भाग, पुराना और नया कोर्ट, बुधुडी, साहना, गायशांत, कोर्ट रोड, पुराना कॉलेज, प्रेमधाम, मिहिजाम रोड, तिलाबाद और चाकरी क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

दूसरे चरण में दुर्गापूजा के बाद मिहिजाम थाना क्षेत्र में बीट नंबर चार और पांच शुरू किए जाएंगे।।

खूंटी में नशीली दवाओं की खप के साथ 59 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची से खूंटी पहुंचाई जा रही थी नशीली दवाओं की खप, पुलिस ने हरेडूकर आरोपी को दबोचा

खूंटी : पुलिस ने रांची से नशीली दवाओं की खप लेकर खूंटी पहुंचे 59 वर्षीय अब्दुल कुदूस आसिफ को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 100 एमएल की कफ सिरप की 120 बोतल, नशीली दवाओं के रूप में इस्तेमाल होने वाली 140 और 895 टैबलेट, बाइक और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपी जमशेदपुर के आलादनगर के जालिफ नगर का रहने वाला है और फिलहाल रांची के डोरंडा स्थित पारस टोली में रह रहा था।

एसपी ऋषभ गर्ग को मिली सूचना के बाद डीएसपी मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में टीम ने नया बस स्टैंड के



पास एंटी क्राइम चेकिंग शुरू की। शाम करीब चार बजे संदिग्ध बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा। पीछा कर पुलिस ने उसे तजना होटल के पास कच्ची सड़क से पकड़ा। तलाशी में बाइक से नशीली दवाएं बरामद हुईं।

एसपी के अनुसार, आरोपी खूंटी में युवाओं को नशीली दवाओं की सप्लाई करने के लिए खेप लेकर आया था। पुलिस को उसके पहले भी कुछ लोगों को नशीली दवाएं उपलब्ध

कराने की जानकारी मिली है। आरोपी की निशानदेही पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाशी में छापेमारी की जा रही है।

मामले में एनडीपीएस थाना में कांड संख्या 17/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी मनी दीप, पुअनि चंदन कुमार, पुअनि रामदेव यादव और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मानगो में ब्राउन शुगर की 71 पुड़ियों के साथ युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर : मानगो पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय शमशाद खान को गिरफ्तार किया है। उसके पास से ब्राउन शुगर की 71 पुड़ियां बरामद हुई हैं, जिनका कुल वजन करीब 10.5 ग्राम है। पुलिस ने 200 रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की रात जवाहरनगर रोड नंबर-15 स्थित पानी टंकी के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। टीम ने वहां छापेमारी की तो पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा। पीछा कर उसे पकड़ा गया। तलाशी में उसके कुर्ते की जेब से ब्राउन शुगर की 71 पुड़ियां मिलीं।

‘प्रहरी’ पहल के तहत रामगढ़ में पुलिस का विशेष अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

संवेदनशील स्थानों पर छापेमारी, नशाखोरी और अड्डेबाजी पर लगातार की कोशिश

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर ‘प्रहरी’ पहल के तहत रविवार को रामगढ़ पुलिस ने जिले के सभी थाना और ओपी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान संवेदनशील और अड्डेबाजी वाले स्थानों पर छापेमारी कर नशाखोरी, छेड़खानी, अड्डेबाजी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया।

पुलिस टीमों ने विभिन्न थाना और ओपी क्षेत्रों में चिह्नित संवेदनशील स्थानों पर पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा



पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में शमशाद ने कुछ अन्य साथियों के साथ ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने की जानकारी दी है। पुलिस उसके साथियों की भूमिका की जांच कर रही है।



बढ़ाना है।

‘प्रहरी’ पहल के तहत पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

फर्जी सिम और मोबाइल के साथ चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : पुलिस ने नारायणपुर और कर्माटोंड थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी अमित कुमार और पुलिस उपाधीक्षक अमित रविदास के नेतृत्व में गतिव टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 10 फर्जी सिम कार्ड और विभिन्न कंपनियों के नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, नारायणपुर थाना क्षेत्र के बांका गांव स्थित उल्कमिठ मध्य विद्यालय से हासीम अंसारी को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कर्माटोंड थाना क्षेत्र के शीतलपुर गांव के मैदान से तीन अन्य आरोपियों को पकड़ा गया। इसमें रटनिया गांव निवासी सैयद अंसारी, ताराबहाल गांव



निवासी कोसर अंसारी और अफताब हुसैन शामिल हैं।

जांच में सामने आया है कि आरोपी देशभर के लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाते थे। इसके लिए वे खुद को केनरा बैंक का अधिकारी बताकर ग्राहकों से बैंक खाते और गोपनीय जानकारी हासिल करते थे। इसके अलावा, लोगों को फोनपे पर 999 रुपये के कैशबैक का फर्जी संदेश भेजते थे। संदेश में दिए गए लिंक पर

क्लिक कर ‘एक्सपेट’ करने के बाद पीड़ितों के खाते से पैसे आरोपियों के फर्जी ऐप या खातों में ट्रांसफर हो जाते थे। इस मामले में जामताड़ा साइबर अपराध थाना में कांड संख्या 63/26 दर्ज किया गया है। छापेमारी अभियान में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी राजेश मंडल, पुलिस निरीक्षक विकास कुमार तिवारी, पुलिस अवर निरीक्षक हीरालाल महतो और रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

रांची के होटल और बार में छापेमारी, छह युवतियों समेत 14 हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : रांची में कथित सेक्स रैकेट की सूचना पर पुलिस ने शनिवार देर रात शहर के एक दर्जन से अधिक होटल और बार में छापेमारी की। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर की गई कार्रवाई के दौरान कोलताली थाना क्षेत्र के कचहरी चौक स्थित कोरिथिया होटल से करीब छह युवतियों और आठ युवकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने होटल मैनेजर और कर्मचारियों से भी पूछताछ की।

जांच के दौरान होटल में युवतियों से डांस कराने और उन्हें कमरों तक पहुंचाने की जानकारी सामने आई है। कथित तौर पर चार हजार से दस हजार रुपये तक के लेन-देन की बात भी पुलिस की जांच के दायरे में है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर पुलिस कथित नेटवर्क से जुड़े लोगों और उनकी भूमिका का पता लगाने



की कोशिश कर रही है। लालपुर थाना क्षेत्र के कई होटल और बार में भी छापेमारी की गई। पुलिस होटल प्रबंधन और बिचौलियों की संभावित भूमिका की जांच कर रही है। फिलहाल किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। पूछताछ और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मैच ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए सुविधाओं की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : 9 अक्टूबर को जेएससीए स्टेडियम में होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने आवास, भोजन, पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने 3 अक्टूबर को रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त को पत्र भेजकर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।



मैच की सुरक्षा के लिए विभिन्न जिलों और पुलिस वाहिनियों से बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की प्रतियुक्ति की गई है। 5 अक्टूबर से बल रांची में तैनात रहेगा। एसोसिएशन ने बाहरी जिलों से आने वाले जवानों के लिए

उपयुक्त हॉल या भवन, स्वच्छ पेयजल और शौचालय की व्यवस्था के साथ 5 से 9 अक्टूबर तक समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन और नाश्ता उपलब्ध कराने की मांग की है। एसोसिएशन ने कहा है कि यह व्यावसायिक आयोजन है। इसलिए नियमानुसार सुरक्षा व्यवस्था पर होने वाले खर्च का प्रतिधारण शुल्क आयोजन संस्था जेएससीए से जमा कराया जाए, ताकि राज्य सरकार जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई। पत्र में कहा गया है कि जवानों को मूलभूत सुविधाएं मिलने से वे बिना परेशानी सुरक्षा ड्यूटी निभा सकेंगे।

युवा प्रकोष्ठ झारखंड के समन्वयक
सतोष राय, सदस्य अमित वर्मा
मेक्टर-9/बी गायत्री शक्तिपीठ के
मुख्य प्रबंध ट्रस्टी विजय वर्णवाल
बोकारो चास शक्तिपीठ के मुख्य
प्रबंध ट्रस्टी महेन्द्र वर्णवाल तथा
बोकारो बालीडीह शक्तिपीठ के
मुख्य प्रबंध ट्रस्टी पंचम मरते
सहित गायत्री परिवार के अनेक
वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता
उपस्थित थे।

तारापीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब, दिन में मां तारा के दर्शन तो रात में श्मशान साधना का अलग संसार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तारापीठ। पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल तारापीठ में इन दिनों श्रद्धा और आस्था का अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां तारा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए तारापीठ पहुंच रहे हैं। सुबह होते ही मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। भक्त घंटों कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए मां तारा के दर्शन कर रहे हैं। तारापीठ मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालु पूरे विश्वास और भक्ति के साथ मां तारा के दरबार में माथा टेक रहे हैं। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर श्रद्धालु अपने परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलकामना की प्रार्थना करते नजर आए। मंदिर परिसर में लगातार गूंजते मंत्रोच्चार, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान और श्रद्धालुओं की आस्था से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।



मंदिर परिसर में दिखा सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में मां तारा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। कई श्रद्धालु परिवार के साथ पूजा-अर्चना करते दिखाई दिए

तो कई भक्त अपनी मनोकामना लेकर मां के दरबार में पहुंचे। मंदिर के आसपास भी धार्मिक गतिविधियों के कारण विशेष

चहल-पहल देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं के चेहरे पर मां तारा के प्रति गहरी आस्था और विश्वास साफ दिखाई देता है। दर्शन के बाद श्रद्धालु मंदिर परिसर और आसपास के धार्मिक स्थलों पर भी पूजा-अर्चना करते नजर आए।

मां तारा की नगरी में दिन के बाद रात का अलग संसार- तारापीठ की पहचान केवल मां तारा के प्रसिद्ध मंदिर तक सीमित नहीं है। यह स्थान अपनी तांत्रिक साधना और श्मशान साधना की परंपराओं के लिए भी जाना जाता है। दिन में जहां मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और भक्ति का माहौल दिखाई देता है, वहीं रात के समय तारापीठ के श्मशान क्षेत्र का वातावरण बिल्कुल अलग नजर आता है। आधी रात के समय श्मशान क्षेत्र में साधु-संत और साधक अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं के अनुसार साधना करते दिखाई देते हैं। यहां की रात का वातावरण सामान्य धार्मिक स्थलों से काफी अलग और गंभीर नजर आता है।

श्मशान साधना और अघोरी

परंपरा बनी आकर्षण का केंद्र- तारापीठ की श्मशान साधना की परंपरा लंबे समय से लोगों के बीच चर्चा का विषय रही है। रात के समय यहां साधना में लीन साधु और साधक दिखाई देते हैं। इसी दौरान अघोरी साधु भी कठिन तप और साधना करते नजर आते हैं। अघोरी साधना को धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं में कठिन साधनाओं में माना जाता है। हालांकि, अघोरी साधना से जुड़ी अनेक बातें धार्मिक मान्यताओं, स्थानीय परंपराओं और आध्यात्मिक विश्वासों पर आधारित हैं तथा इनके संबंध में अलग-अलग व्याख्याएं भी देखने को मिलती हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट में दिखी आस्था की पूरी तस्वीर- राष्ट्रीय मुख्यधारा की विशेष ग्राउंड कवरेज के दौरान तारापीठ में दिन से लेकर रात तक आस्था के अलग-अलग रूपों को करीब से देखने का अवसर मिला। एक ओर मां तारा के मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें, पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार का भक्तिमय वातावरण दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर रात के समय श्मशान क्षेत्र में

साधना और आध्यात्मिक परंपराओं का अलग संसार नजर आया। तारापीठ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर मां तारा के प्रति भक्ति, आस्था और विश्वास साफ दिखाई देता है। यहां आने वाले कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने की उम्मीद लेकर मां के दरबार में पहुंचते हैं और पूजा-अर्चना के बाद स्वयं को आध्यात्मिक रूप से शांति मिलने की बात कहते हैं। तारापीठ की ये तस्वीरें धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक परंपरा और सदियों से चली आ रही स्थानीय मान्यताओं की एक अलग कहानी बयां करती हैं। दिन में मां तारा के मंदिर में उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़ और रात में श्मशान क्षेत्र का गंभीर एवं साधनामय वातावरण तारापीठ को अन्य धार्मिक स्थलों से अलग पहचान देता है। तारापीठ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, साधना और आध्यात्मिक परंपराओं का ऐसा संसार है, जहां दिन में मां तारा के दरबार में भक्ति का सैलाब दिखाई देता है और रात में साधना की एक अलग दुनिया नजर आती है।

संक्षिप्त समाचार

रांची में चेन-सैफिंग गैंग का सरगना रंगीला मुठभेड़ में घायल, तीन अन्य गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची में महिलाओं को लगातार निशाना बना रहे चेन छिनतई गिरोह के खिलाफ रांची पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। ओरमांडी थाना क्षेत्र के चट्ट गांव के पास पुलिस और कोढ़ा गैंग के अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गिरोह का मुखिया रंगीला पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। मौके से उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने बताया कि राजधानी में लगातार हो रही चेन छिनतई को घटनाओं की जांच के दौरान पुलिस को गिरोह के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले थे। इसके बाद विशेष टीम गिरोह के सदस्यों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। रविवार को सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य रिंग रोड से सटे चट्ट इलाके में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी। मुठभेड़ के दौरान गिरोह के दो अन्य सदस्य भी मौके से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। तीनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब गिरोह के पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि छिनतई के बाद लूटी गई सोने की चेन और अन्य सामान को गिरोह के सदस्य किसके माध्यम से खपाते थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर हथियार, 10 से अधिक लूटी गई सोने की चेन और अन्य सामान बरामद किए हैं। गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों और लूटे गए सामान के खरीदारों की पहचान के लिए पूछताछ जारी है।



मनोहरपुर में अलग-अलग सड़क हादसों में चार घायल, दो की हालत गंभीर

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात और रविवार दोपहर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोग घायल हो गए। हादसों में दो घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। पहली दुर्घटना शनिवार रात करीब आठ बजे मनोहरपुर-चिड़िया मुख्य मार्ग पर लोड़ो-अंकुवा पुलिस के पास हुई। चिड़िया ओपी क्षेत्र के अंकुवा चौक निवासी सोनाराम प्रीति (३७) पैदल लोड़ो गांव से अपने घर लौट रहे थे। दूसरी दुर्घटना रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे मनोहरपुर-आनंदपुर मुख्य मार्ग पर टंगरिआ मोड़ के पास हुई। यहां स्कूटी और बाइक की आगने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में टंगरिआ निवासी सुरेशचंद्र महतो (६३), आनंदपुर थाना क्षेत्र के बुलुमदा गांव निवासी सलीम भंगरा (२४) और अजय बागे (२३) शामिल हैं। तीनों घायलों को मनोहरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुरेशचंद्र को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया, जबकि सलीम और अजय का इलाज अस्पताल में जारी है। दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस दुर्घटना के कारणों और संबंधित वाहनों की जानकारी जुटा रही है।

इंटरनेशनल ओपन फीडे रैटिंग शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, अर्पण बने चैंपियन



पश्चिमी सिंहभूम। जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में खिरवाल बैक्विट हॉल में आयोजित द्वितीय रंगटा सीमेंट इंटरनेशनल ओपन फीडे रैटिंग शतरंज प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। नौ चक्रों तक चली प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में पश्चिम सिंहभूम के उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार, संघ के संरक्षक नितिन प्रकाश, दीपेंद्र प्रसाद साव, डॉ विजय मुंड्रा, पवन खिरवाल और जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष मुकुंद रंगटा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कुल नौ चक्रों के दौरान 1673 मुकाबले खेले गए। इसमें 79 महिला खिलाड़ियों के अलावा 241 अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न श्रेणियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सोहनलाल मुंड्रा, बलराम सुल्तानिया, अनिल खिरवाल, लहू खिरवाल, नीरु गोयल, अनुप भट्टी, रतनलाल खंडेलवाल, चंद्रशेखर, शालिनी सगपा, वीरसा डोडराजका, संगीता मृदंडा, विनीता खिरवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पीएम श्री आजाद हाई स्कूल में मॉडल युवा ग्राम सभा का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। करबला चौक स्थित पीएम श्री आजाद हाई स्कूल में मॉडल युवा ग्राम सभा (एमवाईजीएस) सिमुलेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय के 24 विद्यार्थियों ने विभिन्न भूमिकाएं निभाकर ग्राम सभा की कार्यप्रणाली को व्यावहारिक रूप से समझा। विद्यालय की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रधानाध्यापक मोहम्मद कुर्बान अली ने बताया कि विद्यार्थियों ने सरपंच, वार्ड सदस्य, रोजगार सहायक और डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित ग्राम पंचायत से जुड़े विभिन्न दायित्व निभाए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी बात रखने, दूसरों के विचार सुनने, निर्णय लेने और सामूहिक रूप से समस्याओं का समाधान तलाशने का व्यावहारिक अनुभव



मिला। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता, संवाद और सामूहिक निर्णय लेने की समझ विकसित करने का प्रयास किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक मोहम्मद कुर्बान अली, ब्लॉक ऑफिसर आभा कुमारी, पीएमएल फाउंडेशन के मोहम्मद, मोहसिन हाशमी, सोम्या, नोडल शिक्षिका नुजहत परवीन सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

झारखंड के 10 जिलों में 5 अक्टूबर को बिजली गिरने और तेज़ हवाओं का येलो अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड के 10 जिलों में सोमवार (5 अक्टूबर) को आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के प्रमुख विभाग में इससे पहले येलो अलर्ट जारी किया गया है, उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, सहिबगंज, हजारीबाग, कोडरमा और चतरा शामिल हैं। विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए आठ अक्टूबर तक येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 17.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इधर, रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। दिन में धूप के कारण हल्की गर्मी और उमस महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 30.6 और न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अन्य प्रमुख जिलों की बात करें, तो जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 34.1 और न्यूनतम 24 डिग्री, डाल्टनगंज में 34.4 और 22.5 डिग्री, बोकारो में 32.5 और 23.1 डिग्री तथा चाईबासा में 34.6 और 22.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अग्रसेन जयंती पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चे पुरस्कृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। अग्रवाल सभा रांची के 50वें श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। इस दौरान 250 बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। अग्रवाल सभा की ओर से बच्चों के लिए विभिन्न आयु वर्गों में 15 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। सभा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि पुरस्कार वितरण दो चरणों में हुआ। पहले चरण में अग्रवंशी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतीक मोर रहे। सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। संयोजक सज्जन पांडिया ने अग्रसेन जयंती से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। दूसरे चरण में अंतर विद्यालय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। 20 सितंबर को मारवाड़ी भवन, हरमू में आयोजित महाराजा अग्रसेन अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता और डॉ राम



मनोहर लोहिया 'जस्ट ए मिनट' भाषण प्रतियोगिता में शहर के करीब 160 स्कूलों के 1600 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इनमें से 91 विजेता विद्यार्थियों को रविवार को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विजय कुमार बहादुर ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और विद्यार्थियों को जीवन में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र केडिया सहित सभा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और कई अभिभावक मौजूद थे।

एचईसी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर एकजुटता का अभियान चलाएंगी सीनियर सिटीजन सोसाइटी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से रविवार को सेक्टर-2 में आमसभा आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष मंगल शर्मा ने की। बैठक के दौरान मंगल शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए लोगों की एकजुटता जरूरी है। सभी मुद्दों को लेकर संगठित तरीके से पहल की जाएगी। आमसभा में सर्वसम्मति से पूरे एचईसी क्षेत्र के लोगों को एकजुट करने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। संस्था क्षेत्रवासियों



को अभियान से जोड़ने के साथ उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाने की दिशा में काम करेगी। बैठक में एचईसी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा हुई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि अगली बैठक दुर्गापूजा के बाद धुर्वा में आयोजित की जाएगी। बैठक

मुख्यमंत्री त्यक्स्था सुधारें और जनता का भरोसा कायम करें: बाबूलाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की शासन व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आत्ममंथन की सलाह देते हुए कहा कि उनके शासन में व्यवस्था किस स्तर तक पहुंच गई है, इस पर उन्हें शांत मन से चिंतन करना चाहिए। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कई मामलों का उल्लेख किया और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जमीन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री के विरुद्ध आरोप ठठित हो चुका है। ईडी अधिकारियों पर कथित रूप से फर्जी एससी-एसटी एक्ट लगाने में जवाब नहीं देने पर उच्च न्यायालय द्वारा 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाए जाने का भी उन्होंने उल्लेख किया। नेता प्रतिपक्ष ने शराब घोटाला मामले का जिक्र करते हुए दावा किया कि एसबी की अदालत में सरकार के सचिव पर नीति में बदलाव के लिए 50 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की बात कही गई है। उन्होंने पत्थर घोटाले में सीबीआई जांच के आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत



ने मुख्य आरोपित द्वारा मुख्यमंत्री के प्रभाव का इस्तेमाल किए जाने की बात कही है। मरांडी ने पेपर लीक मामले को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री छात्रों को ही माफिया बताते थे, तब अब उनके करीबी लोगों की ओर से पैसे लेकर इंटरव्यू में अंक बढ़ाने के कथित सबूत अदालत के सामने आने की बात कही जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री यदि चाहते तो अपने विश्वस्त लोगों और करीबी अधिकारियों को भ्रष्टाचार से रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में कितने अधिकारियों का करिअर दांव पर लगा, कितनी

संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित हुई और जनता का व्यवस्था से भरोसा कितना कमजोर हुआ, इस पर भी सरकार को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता हमेशा किसी के पास नहीं रहती। लालू प्रसाद यादव और समता बनर्जी की राजनीतिक परिस्थितियों से सीख लेने की सलाह देते हुए मरांडी ने कहा कि सत्ता और प्रभाव स्थायी नहीं होते। उन्होंने मुख्यमंत्री से समय रहते चेतने, गलतियों से सबक लेने और शासन व्यवस्था में सुधार करने को कहा। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बालू, पत्थर, कोयला और अन्य खनिज संसाधनों का इस्तेमाल जनता के हित, विकास और रोजगार के लिए होना चाहिए। उन्होंने प्रखंडों, थानों और सरकारी कार्यालयों में कथित भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई की मांग की। मरांडी ने कहा कि अभी भी समय है। सरकार को व्यवस्था सुधारनी चाहिए और जनता का भरोसा कायम करना चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता और पावर किसी की स्थायी नहीं होती। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहते हुए अहंकार करना आसान होता है, लेकिन सत्ता से बेदखल होने के बाद वही अहंकार सबसे बड़ा बोझ बन जाता है। इसलिए समय रहते चेत जाना चाहिए, क्योंकि इतिहास किसी को माफ नहीं करता।

सरकारी अस्पतालों में दवा खरीद पर भाजपा ने उठाए सवाल, स्वास्थ्य मंत्री से मांगा जवाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड के सरकारी अस्पतालों में दवा खरीद में कथित अनियमितता को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार को घेरा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने आरोप लगाया कि झारखंड में कई दवाओं की खरीद दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक कीमत पर की जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मामले में जवाब देने की मांग की। अजय साह ने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बिहार में एमोक्सिसिलिन 500 एमजी की खरीद करीब 1.15 रुपये प्रति इकाई की दर से होने की बात सामने आई है, जबकि झारखंड में इसी दवा के लिए करीब 3.50 रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 21 ग्राम ओआरएस की कीमत भी झारखंड में करीब 8.50 रुपये बताई जा रही है, जबकि अन्य राज्यों में इसकी खरीद कम कीमत पर हो रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राज्य के 11 सर अस्पतालों में दवा खरीद से संबंधित 11 टेंडर रांची के एक ही परिवार से जुड़ी फर्मों को दिए गए। इन टेंडरों में बाजार दर से कई गुना अधिक कीमत पर खरीद के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं। अजय शाह ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि टेंडर, एंजुलैस, मोतिबाबंद ऑपरेशन और अब दवा खरीद को लेकर लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। उन्होंने इन मामलों में राजनीतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी तय करने की मांग की।





कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे के बयान का समर्थन करते हुए तेजस्वी ने कहा, 'खड्गे जी कह रहे हैं कि देश में अवैध चुनावों का रहे हैं, अवैध प्रधानमंत्री हैं और अवैध गृह मंत्री हैं। चुनाव में पूर्णतः त्रुटिपूर्ण तरीके से फर्जीबाड़ा हुआ है। इसका लेकर हम लोग बैठक में भी गए और बैठक हुई है।'

संक्षिप्त

समाचार

नेतन्याहू ने पीएम मोदी और भारतीय पायलट को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए किया आर्मांत्रित

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी और फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित मच्छर को अगले साल होने वाले इजराइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। नेतन्याहू ने पायलट की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें भारत और इजराइल के साहसी लोगों के साथ-साथ पूरी दुनिया का नयंक बताया। नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत के दौरान मच्छर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस हमदान बिन मोहम्मद भी अस्पताल में भर्ती पायलट से मुलाकात कर उनकी सराहना कर चुके हैं। हालांकि, नेतन्याहू का यह निमंत्रण मशाल जलाने के लिए अंतिम चयन की आधिकारिक घोषणा नहीं है। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मशाल जलाने वालों का चयन एक सार्वजनिक सलाहकार समिति करती है। इसके बाद निर्धारित मंत्रीस्तरीय प्रक्रिया के तहत नामों को मंजूरी दी जाती है। इस प्रक्रिया में इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव की अहम भूमिका रही है। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाना विशेष सम्मान माना जाता है। इस समारोह में आम तौर पर उन लोगों को चुना जाता है, जिन्होंने देश और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया हो।

हसीना की वापसी पर भारत ने कहा - समय सीमा तय नहीं

ढाका। भारत और बांग्लादेश के संबंध पिछले कुछ समय से लगातार तनाव भरे रहे हैं। इसी क्रम में बांग्लादेश में भारतीय राजदूत दिनेश त्रिवेदी ने शेख हसीना के मुद्दे पर नई दिल्ली के रूख को स्पष्ट किया है। अभी तक राजनीतिक टिप्पणी करने से इनकार करने वाले त्रिवेदी ने ढाका में एक कार्यक्रम के दौरान साफ तौर पर कहा कि भारत शुरुआत से ही इस बात को कहता आ रहा है कि वह इस मामले (शेख हसीना को वापस भेजने) पर कानूनी प्रक्रिया के तहत विचार कर रहा है। ऐसे में इसमें किसी तरह की समय सीमा नहीं दी जा सकती। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संकट के समय शेख हसीना जब भारत आईं, तो उस वक़्त नई दिल्ली के पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। राजदूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक छात्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह बातें कहीं। उन्होंने जोर देकर कहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी को लेकर कोई भी समय सीमा नहीं बता सकता। भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से बांग्लादेश भेजे गए त्रिवेदी ने बताया कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बार-बार इसका जवाब दिया है कि यह एक प्रक्रिया का हिस्सा है, जो कानूनी और सुव्यवस्थित है। त्रिवेदी ने शेख हसीना के भारत आने के समय को लेकर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने साफ किया कि शेख हसीना को भारत सरकार या भारतीय सेना बांग्लादेश से निकालकर नहीं लाई थी। उनके अनुसार, शेख हसीना को भारतीय वायुसेना या सेना भारत नहीं लाई थी। पांच अप्रस्त को विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश वायुसेना का एक विमान हसीना को भारत लेकर आया था। राजदूत ने कहा कि जब हसीना भारत आईं, उस समय वह बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं। ऐसे में जब उन्होंने उत्तरने की इजाजत मांगी, तो भारत सरकार के पास ज्यादा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने इसे पड़ोसी होने के नाते परिस्थितियों की वास्तविकता को स्वीकार करने का कर्तव्य बताया, क्योंकि कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं जिनके लिए कोई तैयार नहीं होता। उन्होंने बांग्लादेश में दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण पैदा हुई इस स्थिति पर जोर दिया और कहा कि ऐसी परिस्थितियां दुनिया में कहीं भी दोबारा नहीं आनी चाहिए। ज्ञात हो कि शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को उस वक़्त भारत आई थीं, जब ढाका में उनके आवास पर छात्रों ने दाखिल होना शुरू कर दिया था। वह बांग्लादेश से उनेके विमान से भारत आई और फिर पूर्वोत्तर के राज्य से भारतीय जहाज से हिंडन एयरबेस पहुंची थीं। इसके बाद से वह भारत में ही किसी गुप्त स्थान पर रह रही हैं। हसीना की सरकार के सत्ता से हटने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतिम प्रशासन ने आठ अगस्त 2024 को पदभार संभाला था। इस दौरान हसीना पर एक स्पेशल ट्रिब्यूनल में उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई।

राजगढ़: प्रसव के कुछ घंटे बाद 19 वर्षीय प्रसूता की मौत, परिजनों का अस्पताल में हंगामा

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के जिला अस्पताल में प्रसव के कुछ घंटे बाद रविवार अलसुबह 19 वर्षीय प्रसूता की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। परिजनों ने डॉक्टर और नर्स पर समय पर इलाज नहीं करने तथा नर्स पर प्रसव के लिए रुपए लेने का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा की। जानकारी के अनुसार ग्राम अमेरपुरा निवासी अमरीबाई को शनिवार दोपहर प्रसव के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि यहां मौजूद नर्स ने बच्चे की स्थिति गंभीर बताते हुए डिलीवरी के लिए पांच हजार रुपए मांगे। आर्थिक स्थिति का हवाला देने पर दो हजार रुपए में बात तय हुई। महिला के पति दिनेश ने नर्स को रुपए दिए। इसके बाद शाम को अमरीबाई ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। परिजनों के मुताबिक देर रात अमरीबाई को अचानक ब्चोडिंग शुरू हो गई। उसकी सास धांपूबाई नर्स को बुलाने गईं, लेकिन कमरे का दरवाजा बंद था। आरोप है कि आवाज देने के बावजूद नर्स मदद के लिए नहीं आईं। समय पर उपचार नहीं मिलने से महिला की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। पति को झालावाड़ में मिली मौत की खबर घटना के समय दिनेश मजदूरी के लिए राजस्थान जा रहा था और झालावाड़ पहुंचा ही था कि उसे पत्नी की मौत की सूचना मिली। वह तत्काल राजगढ़ लौटा। इसके बाद ग्रामीण और रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए। पूर्व विधायक बापूईसंह तंवर और हेमराज कल्योनी भी परिजनों के समर्थन में धरने पर बैठ गए। एसडीएम निधि भारद्वाज, तहसीलदार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने निष्पक्ष जांच के लिए टीम गठित करने और आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद धरना समाप्त हुआ। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट अने के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे।

वन्य प्राणी सप्ताह पर मैराथन दौड़ में 400 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

नैनीताल। वन्य प्राणी सप्ताह 2026 के तीसरे दिन रविवार को प्राणी उद्यान, नैनीताल की ओर से मैराथन दौड़ और नाटक मंचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। मैराथन के स्कूली वर्ग की छात्र श्रेणी में सोलित कुमार ने पहला, कृष्ण शंखर बिष्ट ने दूसरा और तुषार जोशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में अक्षिता महर प्रथम, आरती आर्या द्वितीय और निशा अधिकारी तृतीय रही। ओपन पुरुष वर्ग में लोकेश कुमार प्रथम, दिनेश चंद्र द्वितीय और अमन बिष्ट तृतीय रहे। महिला वर्ग में साधना सिंह ने पहला, खुशी गोस्वामी ने दूसरा और उषा थुवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व प्राणी उद्यान के निदेशक- नैनीताल वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार के निदेशन में आयोजित मैराथन का शुभारंभ उप निदेशक स्वाति और पुलिस क्षेत्राधिकारी विनय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसमें करीब 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैराथन दो वर्गों में आयोजित हुई। स्कूली वर्ग की तीन किलोमीटर दौड़ मल्लीताल के बैड स्टैड से ठंडी सड़क होते हुए फांसी गंधेरा, तल्लीताल तक और वहां से वापस बैड स्टैड तक हुई। वहीं, ओपन वर्ग की 12 किलोमीटर दौड़ बैड स्टैड से माल रोड होते हुए पाईस तक और वहां से वापस बैड स्टैड तक आयोजित की गई। समापन अवसर पर उप निदेशक स्वाति ने मैराथन के आयोजन में सहयोग देने वाले सदस्यों, पुलिस प्रशासन, चिकित्सा विभाग तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्राणी उद्यान परिवार की ओर से आभार जताया। उन्होंने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। कार्यक्रम का संचालन नवीन पांडे ने किया। दूसरे सत्र में वन्य प्राणी सप्ताह की थीम ‘कनेक्टिंग हैबिटेट्स, श्राव्निंग वाइडलाइफ’ पर नाटक मंचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विद्यालयों के कुल 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णांकक मंडल में डीएसबी परिसर के संगीत विभाग की अतिथि सहायक प्राध्यापक डॉ. संस्था शामिल रही। कार्यक्रम का संचालन हिमालयन बोटैनिगल गार्डन, नारायणनगर की वनस्पतिशास्त्री डॉ. रजनी रावत ने किया।

आंध्र प्रदेश में तीन लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे पक्के घर

3,600 करोड़ रुपये की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के बुरिपालेम गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण 2.0 के तहत तीन लाख घरों की पहली किस्त सौंपने की शुरुआत की। इन घरों के निर्माण पर 3,600 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस मौके पर उन्होंने देश की पहली 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक आधारित आवास परियोजना की आधारशिला भी रखी। इस परियोजना के तहत 14 करोड़ रुपये की लागत से 177 घर बनाए जाएंगे। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश के लिए पहले 76 हजार घरों का आवंटन प्रस्तावित था। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के अनुरोध के बाद केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर तीन लाख घर कर दिया। चौहान ने कहा कि तीन लाख घरों का निर्माण पूरा होने के बाद केंद्र सरकार राज्य के लिए तीन लाख और घर मंजूर करेगी। तीन लाख और घर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के हर गरीब परिवार को पक्का घर



उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। चौहान ने बुरिपालेम और ओबुलानायडुपालेम में 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग आधारित आवास परियोजना को ग्रामीण आवास के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि 14 करोड़ रुपये की इस पायलट परियोजना में आधुनिक मशीनों और 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा। इससे निर्माण समय, लागत और श्रम की जरूरत कम होगी। 177 घरों का निर्माण छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अमरावती के विकास के लिए भी सहयोग कर रही है। केंद्र ने आंध्र प्रदेश की एकमात्र स्थायी राजधानी के रूप में अमरावती को मान्यता देने के लिए संसद में कानून पारित किया और इसके विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये की विशेष वित्तीय

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला युवक गुवाहाटी से गिरफ्तार



एजेंसी, गुवाहाटी

तेजपुर के सेना की गजराज मिलेट्री इंटेलिजेंस (एमआई) से मिली शुरुआती जानकारी के आधार पर, असम के आईजीपी (एसटीएफ) ने शोणितपुर के एसएसपी के साथ मिलकर उस खुफिया जानकारी पर काम किया और उसे और विकसित किया। यह जानकारी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑर्परेटिव (पीआईओ) के निदेशों पर कथित तौर पर की जा रही संदिग्ध राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के बारे में थी। इस खुफिया जानकारी के आधार पर, 3 और 4 अक्टूबर की रात को असम एसटीएफ ने एक अभियान चलाया

और अभिषेक कुमार सिंह (31) को गुवाहाटी के सातगांव पुलिस स्टेशन के तहत गांधीनगर में एक किराए के घर से गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण का रहने वाला है। अभियान के दौरान, उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपतिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए।

शुरुआती जांच से जासूसी से जुड़ी गतिविधियों में उसकी कथित संलिप्तता का पता चला है, जिसमें सुरक्षा बलों से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑर्परेटिव (पीआईओ) तक पहुंचाना शामिल है। इसके अनुसार, अभिषेक कुमार सिंह को एसटीएफ पीएस केस नंबर 09/2026 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

एजेंसी, पाली/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लघु उद्योग आकार में भले ही छोटे हों, लेकिन राष्‍ट्र निर्माण और रोजगार सृजन में उनका योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि गांव, ढाणी और कस्बों में रहने वाले युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को उनके स्थानीय क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए हर कदम पर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाली में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित उद्यमी सम्‍मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्‍थाओं में शामिल हो गया है। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और आत्‍मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने छोटे उद्यमियों, कारीगरों और व्यापारियों को नई उज्‍जी दी है। इसी का परिणाम है कि हमारे स्थानीय उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। मुख्‍यमंत्री ने लघु उद्यमियों से आह्‍वान किया कि वे राजस्‍थान में उपलब्‍ध स्‍थानीय संसाधनों और कृषि उत्पादों

साबरमती रिवरफ्रंट और अटल ब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन

एजेंसी, मुवनेश्वर

ओडिशा के कानून एवं लोक निर्माण मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने गुजरात दौरे के दौरान अहमदाबाद स्थित प्रसिद्ध साबरमती रिवरफ्रंट और आकर्षक अटल ब्रिज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक, अमृतेश कालिदास औरगंगाबादकर के साथ परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा एक समीक्षा बैठक में भाग लेकर परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान मंत्री को साबरमती रिवरफ्रंट के विकास, नदी पुनरुद्धार, शहरी बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन से जुड़े विभिन्न पहलुओं

की जानकारी दी गई। हरिचंदन ने कहा कि साबरमती रिवरफ्रंट और अटल ब्रिज शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, नदी पुनरुद्धार, जन मनोरंजन और पर्यटन के बीच संतुलन कायम करते हुए इस तरह की परियोजनाओं को किस प्रकार विकसित किया जा सकता है, इसका अनुभव ओडिशा की आगामी शहरी विकास परियोजनाओं के लिए प्रेरणादायी होगा।

इसके अलावा, गुजरात में आयोजित ‘चिंतन शिविर’ में शामिल होने से पहले मंत्री ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन से जुड़े विभिन्न पहलुओं

राजमार्गों की सुरक्षा व गुणवत्ता पर होगा मंथन, गुजरात के एकता नगर में 5-6 अक्टूबर को चिंतन शिविर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप राजमार्ग अवसरचना विकसित करने को लेकर केंद्र सरकार 5 और 6 अक्टूबर को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में ‘चिंतन शिविर-2026’ आयोजित करेगी। दो दिवसीय शिविर में केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, परियोजना क्रियान्वयन एजेंसियां और अन्य हितधारक शामिल होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक, शिविर का मुख्य उद्देश्य राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही प्रमुख अड़चनों की पहचान कर उनके व्यावहारिक और नवोन्मेयी समाधान तलाशना है। साथ ही परियोजनाओं की गुणवत्ता, सड़क सुरक्षा, दक्षता और समयबद्धता बढ़ाने के लिए नीतिगत और संस्थागत सुधारों पर भी मंथन होगा।

चिंतन शिविर का उद्घाटन 5 अक्टूबर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे। इस मौके पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टट्टा और हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद रहेंगे। विभिन्न राज्यों के सड़क परिवहन एवं लोक निर्माण मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि और



विशेषज्ञ भी शिविर में भाग लेंगे।

मंत्रालय के अनुसार, शिविर केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। इसमें राज्यों के अनुभव, जमीनी स्तर पर सामने आ रहे व्यावहारिक समाधान और बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा किया जाएगा। इससे राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए साझा रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

दो दिनों के दौरान पांच प्रमुख विषयों पर अलग-अलग सत्र आयोजित होंगे। इनमें प्रधानमंत्री गतिशक्ति और एकीकृत अवसरचना योजना, भूमि अधिग्रहण एवं भूमि राशि पोर्टल, मॉडल रियायत

सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर लौट रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, पुत्र समेत चार लोगों की मौत

एजेंसी, देवरिया

चंडीगढ़ से सेना के जवान सुबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया आ रही एंबुलेंस रविवार सुबह सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एंबुलेंस में सवार जवान के पुत्र राहुल सिंह, रदपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी, उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह और चालक जसपाल की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार में पहले जवान की मौत और इसके बाद उनके पुत्र समेत तीन अन्य लोगों की सड़क हादसे में मौत से रदपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निदेश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, देवरिया जिले के रदपुर कोतवाली क्षेत्र के गहिला-दुधैला गांव निवासी सत्यवान सिंह



(50) सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) के पद पर मेरठ में तैनात थे। शुक्रवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेना की ओर से उन्हें गाई ऑफ ऑनर देकर अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस से पैतृक गांव रदपुर लाया जा रहा था।

बताया गया कि एंबुलेंस में चालक जसपाल के अलावा सत्यवान सिंह के पुत्र राहुल सिंह, रदपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी और उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह सवार थे। रविवार सुबह सुलतानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

♦ **नितिन गडकरी करेंगे उद्घाटन, परियोजनाओं की अड़चनों से लेकर भूमि अधिग्रहण तक पांच मुद्दों पर होगी चर्चा**

समझौते एवं रेंटिंग व्यवस्था, सुरक्षित राजमार्गों की डिजाईनिंग तथा गुणवत्ता आश्वासन एवं परियोजना निगरानी शामिल हैं। प्रधानमंत्री गतिशक्ति सत्र में विभिन्न अवसरचना परियोजनाओं के समन्वित विकास पर चर्चा होगी। भूमि अधिग्रहण और भूमि राशि से जुड़े सत्र में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली अड़चनों और उनके समाधान पर विचार किया जाएगा। वहीं मॉडल रियायत समझौते एवं रेंटिंग व्यवस्था पर संविदात्मक और क्रियान्वयन संबंधी मुद्दों पर चर्चा होगी। सुरक्षित राजमार्गों की डिजाईनिंग से जुड़े सत्र में सड़क सुरक्षा को राजमार्गों की योजना और निर्माण प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया जाएगा। गुणवत्ता आश्वासन एवं परियोजना निगरानी सत्र में निर्माण की गुणवत्ता, निगरानी तंत्र और परियोजनाओं के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार होगा। मंत्रालय को उम्मीद है कि चिंतन शिविर से राजमार्ग विकास में नई कार्यप्रणालियों और बेहतर संस्थागत व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

आठ साल पुराने मामले में उद्धोषित अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, शिमला

शिमला जिले के जुब्बल क्षेत्र में पुलिस ने लंबे समय से तलाश किए जा रहे एक उद्धोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी आठ साल पुराने मामले में वांछित था। जुब्बल निवासी आरोपी अनिल कुमार को पुलिस उपमंडल रोहड़ू की पीओ सेल की टीम ने गिल्टोडी थाच से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार जुब्बल थाने में वर्ष 2018 में दर्ज मामले में अनिल कुमार के खिलाफ प्राथम में अनधिकृत प्रवेश, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, गाली-गलौज और आपराधिक धमकी से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, जुब्बल की अदालत ने 2 सितंबर 2026 को उसे उद्धोषित अपराधी घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक उद्धोषित अपराधी



की गिरफ्तारी के लिए पीओ सेल की टीम लगातार प्रयास कर रही थी। आरोपी की तलाश के दौरान पुलिस ने उपलब्ध सूचनाओं को जुटाया और स्थानीय स्तर पर जानकारी एकत्र की। इन प्रयासों के आधार पर पुलिस टीम आरोपी तक पहुंची और उसे गिल्टोडी थाच से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले से जुड़ी लंबित न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। पुलिस ने बताया कि न्यायालयों द्वारा उद्धोषित अपराधी घोषित किए गए आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

दिल्ली: रिंग रोड पर सीएक्वूएम के निरीक्षण में धूल और निर्माण कचरे के 17 उल्लंघन मिले

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्वूएम) के रिंग रोड पर चलाए विशेष निरीक्षण अभियान में सड़क पर अधिक मात्रा में धूल और निर्माण एवं विध्वंस कचरा जमा होने के 17 उल्लंघन पाए गए। इस अभियान के तहत सीएक्वूएम ने 25 सड़क पट्टियों के करीब 35 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, सीएक्वूएम ने 3 अक्टूबर को यह विशेष अभियान



चलाया। आयोग की ओर से गठित चार उड़न दस्तों ने दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों का निरीक्षण किया। अभियान का उद्देश्य रिंग रोड पर सड़क की धूल की स्थिति और सफाई तथा झाड़ू लगाने के कार्य की प्रभावशीलता को आकलन करना था। आयोग ने कहा कि निरीक्षण में सामने आए मामलों

♦ **25 सड़क पट्टियों के 35 किलोमीटर हिस्से की हुई जांच**

से संबंधित सड़क एजेंसियों की ओर से सड़क की सफाई, झाड़ू लगाने और धूल नियंत्रण के निर्धारित उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत सामने आई है। सीएक्वूएम के अनुसार सड़क की धूल को नियंत्रित करने और वाहनों की आवाजही से इसके दोबारा हवा में फैलने से रोकने के लिए नियमित और प्रभावी सफाई जरूरी

है। सड़क किनारे और मुख्य सड़क पर जमा निर्माण एवं विध्वंस कचरा तथा धूल वाहनों की आवाजही से दोबारा हवा में फैल सकती है और इससे वायु गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आयोग ने दिल्ली पीडब्ल्यूडी और अन्य संबंधित एजेंसियों को सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। संबंधित एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों को नियमित सफाई, जमा धूल और निर्माण एवं विध्वंस कचरे को हटाने साफ और धूल मुक्त रखने पर जोर दिया गया है।

चोलेल हो गए थे। इन दो बदलावों के
 अलावा टीम में कोई अन्य परिवर्तन
 नहीं किया गया है। यही टीम इंग्लैंड
 के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी
 थी, जहाँ श्रीलंका को 2-1 से हार का
 सामना करना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय
 क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के
 अनुसार सलामी बल्लेबाज पथुम
 निरसका 16 खिलाड़ियों की टीम में
 शामिल हैं लेकिन उनका सफर कुछ
 दूर तक ही निभर है। वे टीम के साथ
 तृतीय यात्रा करेंगे जब उन्हें मैनचेस्टर
 में तीनों टेस्ट घोषित किया जाएगा।
 वनडे टेस्ट-सीरीज के लिए श्रीलंका
 की एकदिवसीय टीम: कुसल मेंडिस
 (कप्तान), सहान अराचिगे, दुम्भरा
 चमीरा, सचिन्दु कोलोम्बो, अविका
 फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, जयिथ
 लियानागे, दिलशान मदुरंका, ईशान
 मर्मिलांका, कामिन्दु मेंडिस, कामिल
 मिश्रा, पथुम निरसका, पवन
 शिवनय्यके, दासुन शानका, महीशा
 थीक्षाना, दुनिथ वेलालगे।

अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर वैभव ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इस पंद्रह वर्षीय खिलाड़ी ने भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बनकर महान सचिव तिलक कर्करे के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसके बाद उन्हें से उन्होंने छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रनों के सर्वाधिक स्कोर के साथ कुल 193 रन बनाए हैं। वह आजपावन में आयोजित होने वाली भारत की एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम का कप्तान भी हिससा है। सीनियर क्रिकेट के अपने केवल तीसरे सीजन में, इस बच्चे हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने अन्य प्रारूपों में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है।

आसकर अपने पिता विजय शर्मा को दिया। कीर्ति ने कहा कि मेरे पिता को दाना चाहिए, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और आर्थिक तंगी के बावजूद मेरे खेल करियर से जुड़े सभी खर्च उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मैं कभी लोगों ने मेरे पिता से कहा कि उन्हें मुझे स्पोर्ट्स में नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि मैं एक लड़की हूं। उन्होंने मेरी खराब सेहत की वजह से मेरे सफल होने की क्षमता पर भी शक जताया, लेकिन मेरे पिता ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया है। मैं हरिणीबाग के साईं ट्रेनिंग सेंटर में अध्ययन करने वाली आयरन ने कहा कि एशियन गेम्स में कामयाबी का सपना बनाने का सारा श्रेय भारतीय सरकार प्राधिकरण और उनके कोच उद्धव सिंह को जाता है।

कर दी। अपनी 44 गेंदों की इस शतकधरोहरदार पारी के दौरान युवराज ने विरोधी गेंदगंजाजी को ध्वस्त करके 71 रन बनाये। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 5 बेहतरीन चौके और 6 छक्के लगाये। इस प्रकार 161.36 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए, युवराज ने निर्धारित 20 ओवरों में भारतीय टीम को 7 विकेट पर 196 रनों तक पहुंचाया। इसके कप्तान ने, उस्मान खान्जा की जवानि वाली पारी से अस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम ने डारसी शॉर्ट के 28 गेंदों पर 65 रन के शानदार प्रदर्शन के बावजूद 162 ओवर में 150 रन बनाये। इससे इंडिया चैंपियंस ने 46 रनों से जीत हासिल की।

पौ 375
प्रति
।



A large, vibrant field of sunflowers stretching towards a bright, hazy sky. The sunflowers are in full bloom, with bright yellow petals and dark brown centers. The field is densely packed, and the perspective is from a low angle, looking across the field. The sky is a pale, bright blue with some wispy clouds. The overall mood is cheerful and sunny.

जायद में बायी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20-25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें

सूरजमुखी में बहुधा तोते सर्वाधिक नुकसान पहुंचाते हैं। तोते प्रायः दाने पड़ने की अवस्था से लेकर दाने पकने की अवस्था तक (एक माह) अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

फसल की कटाई उस समय करें जब कि फूल का पिछला हिस्सा नींबू जैसा पीला रंग का हो जाये और फूल झड़ जाये तो फसल तैयार समझना चाहिए। इस स्थिति में फूल को काटकर खलिहान में लायें व 3-4 दिन खलिहान में सूखने के बाद डंडों से पीटरकर बीज निकालें।

सूरजमुखी की फसल 90-105 दिन में पककर तैयार हो जाती है व उन्नत विधि से उत्पादन करने पर 18-20 क्विंटल/हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

प्रायः सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुडी व हेड बोरेर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुडी व हेड बोरेर के नियंत्रण के लिए फिनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनॉफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।



सूरजमुखी की फसल में मुख्यतः रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

मूंग की फलियाँ गुच्छों में लगती हैं तथा अधिकांश प्रजातियों में फलियाँ एक साथ नहीं सकतीं। अतः 2-3 बार तोड़ई पर पूरी फसल की फलियाँ तोड़ लेनी जाती हैं। मूंग के दानों को बैल चलाकर या डंडे से पीकड़ द्वारा किया जाता है। भूसे से मूंग के दानों को हवा द्वारा अलग करके अच्छी तरह शायद कर सुखाने के बाद ही भंडारण करते हैं। उन्नत शायद क्रियाएँ व पौध संरक्षण अपनाने पर 7-8 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा एक एकड़ क्षेत्र में 4000-5000 रुपये लागत आने पर 15000 रुपये की आय होती है।

A close-up photograph of a person's hand holding a large, dense bunch of fresh green beans. The beans are long, slender, and have a vibrant green color. The hand is positioned at the bottom left, with fingers visible holding the stems of the beans. The background is slightly blurred, showing more green foliage and some yellow flowers, suggesting a garden or field setting.

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा
रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा
नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से
डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई-जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा



तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है। साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता है जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती हैं। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रस्त पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकट्ठा कर नष्ट करें। डायथेन एम- 45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बने के 3.0 और 6.0 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

पतियां पीली होकर झड़ने लगे तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

700-800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।





आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।' आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वॉनर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहेल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांडे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब



कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लेपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब

निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं। आम्रपाली ने कहा, 'जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं सिर्फ उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूँ। फिर वह हंसा शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती है, 'लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेवारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या

बताऊं? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।' आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शोज में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे: सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शोज में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चल लंदन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत कैमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।



मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म 'सैयारा' से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पट्टा और अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नई बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे। साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पट्टा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की

अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पट्टा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है। फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली 'सतरंगा' ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना

'सैयारा' बनाने वाले अश्वय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी। मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है यहां ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म 'सैयारा' से अहान की बतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई।



रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातों की

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हठ'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चा में हैं। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूँ, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूँ कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएस्सी रीपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो

गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना
अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोली, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूँ, घर चलाने के लिए काम तो करना है।' उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।' रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन

गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता हैं। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरेंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'

